कोको-प्यार!

इशारों से बात करने वाली गोरिल्ला के साथ बातचीत

लेखनः डॉ. फ्रैन्सीन पैटरसन
छायाचित्रः डॉ. रॉनल्ड कोह्न
भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

कोको से मिलो, यह दुनिया की पहली 'बोलने' वाली गोरिल्ला है, और उसकी सच्ची कहानी पढ़ो! वह तुम्हारे साथ अपने कुछ अनुभवों को अपने ही लफ़्ज़ों में साझा करेगी।

कोको इंसानों के साथ इसलिए बातचीत कर पाती है, क्योंकि उसने अपनी 'मॉम' डॉ. फ्रैन्सीन पैटरसन के साथ एएसएल (अमरीकी संकेत भाषा) का अभ्यास तब से करना शुरु किया था, जब वह चन्द महीनों की थी। अब वह 1,000 से भी ज़्यादा शब्द जानती है। वह सवाल पूछ और जवाब दे सकती है, हंसी-मज़ाक कर सकती है, और कहानियाँ सुना सकती है।

कोको कम्प्यूटर का इस्तेमाल करने वाली पहली गोरिल्ला भी है। वह पहली है जिसने ऑन-लाइन बातचीत (चैट) में भाग लिया और विडियो डेटिंग से अपने 'बॉयफ्रैंड' न्दूमे को चुना। वह कैलिफोर्निया में अपने गोद लिए छोटे भाई माइकल और अपने खूबसूरत 400 पाउन्ड के बॉयफ्रैंड न्दूमे के साथ रहती है।

इस क़िताब में तुम जानोगे कि इन विलक्षण जीवों को क्या करना, खाना, और कहना पसन्द है। तुम गोरिल्ला संकेत भाषा (जीएसएल) के एक दर्जन से ज़्यादा शब्द संकेत भी सीख सकोगे।
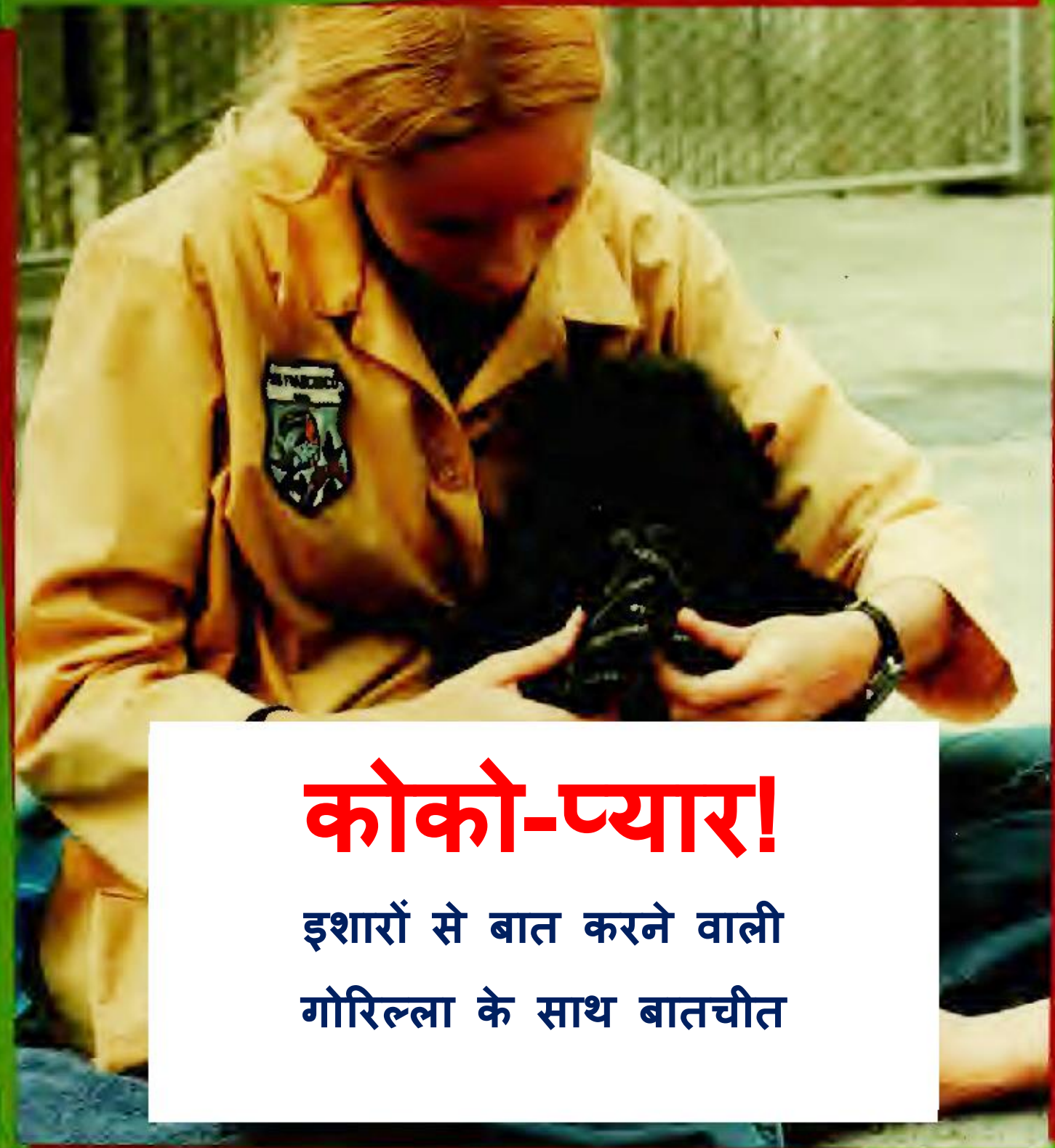
कोको-प्यार!

इशारों से बात करने वाली गोरिल्ला के साथ बातचीत

लेखनः डॉ. फ्रैन्सीन पैटरसन

छायाचित्रः डॉ. रॉनल्ड कोहन

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

स्वागत है डॉ. पैटरसन और कोको!
क्या कोको यह समझती है कि वह इस वक़्त हज़ारों लोगों से चैट कर रही है?
कोको: "अच्छा सुनना।"

पैनी: कोको जानती है।

बारबरा एफ. हिलर को सस्नेह याद करते हुए

हमारे समर्पित कार्यकर्ताओं, वफ़ादार मित्रों व सदस्यों का उनके सतत् सहयोग के लिए हमारा दिली आभार। हम कैरन लॉत्ज़, एमी विक, आंद्रिया मॉसबाख़र व डिएन गिडिस को इस पुस्तक को तैयार करने में अमूल्य सहायता देने के लिए शुक्रिया देना चाहेंगे। केविन वॉनली तथा जोडी वीनर के प्रयासों ने इस पुस्तक को संभव बनाने में मदद की, उनका आभार। जेन अब्राम्स, माइकल ग्रोफे, मैरिलिन माटेविया तथा डीना पैटिट को भी धन्यवाद। अंत में हम तीन 'शानदार पशु गोरिल्ला' कोको, माइकल व न्दूमे को शुक्रिया कहना चाहेंगे।

तथा सभी नर-वानरों (प्रीइमेटस्) के सभी बच्चों के लिए

- जो तुम्हीं हो - कोको-लव !

सोचो ऑन-लाइन कौन है?

क्या तुम्हें इन्टरनेट का इस्तमाल करना पसन्द है?

अपने एपल कम्प्यूटर के पास सेब का इशारा करते कोको। इस कम्प्यूटर में में खास गोरिल्ला-अनुकूल टच-स्क्रीन है। इसमें शब्द चित्र और साउण्ड-स्पीकर है।

इस अमरीकी ऑन-लाइन साक्षात्मकार में पैनी ने फोन पर सवाल लिए और इशारों से कोको को दोहरा कर बताए। कोको ने इशारों से जवाब दिए।

अगर तुमने कभी किसी गोरिल्ला से ऑन-लाइन बातचीत की है तो तुमने बोलने वाली गोरिल्ला कोको से बात की होगी! वह दुनिया की एकमात्र गोरिल्ला है जिसका अपना कम्प्यूटर है, और वह अकेली गोरिल्ला है जो एक हजार से नहीं अधिक शब्द जानती है।

कोको अपनी आवाज़ से नहीं अपने हाथों से बात करती है। वह दूसरों से बात करते समय एएसएल के अपने ही संस्करण का उपयोग करती है। कोको जितने भी शब्द इशारों से कहती है, उसके मानव साथी हरेक शब्द संकेत को लिख कर दर्ज करते हैं। अब तक वे गोरिल्ला साइन लैंग्वेज (जीएसएल) के एक हज़ार से भी ज़्यादा शब्दों को समझ कर गिन चुके हैं। कोको अंग्रेज़ी में बोले गए कई और शब्द भी जानती है।

कोको कैलिफोर्निया में अपनी दत्तक माँ, डॉ. फ्रैन्सीन पैटरसन के साथ रहती है। हाल में डॉ. पैटरसन ने कोको की मदद एक ऑन-लाइन साक्षात्कार में अपने प्रशंसकों के सवालों के जवाब देने में की। इस सत्र में तकरीबन 20 हज़ार लोग एक साथ जुड़े, ताकि वे इस मशहूर गोरिल्ला से सवाल पूछ सकें या उसे "सुन" सकें। यह एक रिकॉर्ड था।

हनाबी-को की नई माँ

1972 में पैनी पैटरसन, जो तब एक युवा स्नातक छात्रा थीं, हनाबी-को से मिलीं जो सैन फ्रांसिस्को के बाल चिड़ियाघर में रहने वाली साल भर की, बीस पाउण्ड की गोरिल्ला थी। जब वे मिले हनाबी-को या कोको, अन्य बड़े गोरिल्लाओं से अलग रह रही थी। सामान्यतः उसे अपनी माँ के साथ तकरीबन सात साल की उम्र तक रहना चाहिए था। पर वह बहुत बीमार थी और उसकी माँ उसकी देखभाल नहीं कर पा रही थी। सैन फ्रांसिस्को विश्वविद्यालय के चिकित्सा केन्द्र के दल ने उसकी जान बचाई थी।

पैनी, वॉशो नामक एक चिम्पांज़ी के बारे में जानती थी जो रीनो, नेवाडा में संकेतों/इशारों की भाषा सीख रहा था। वह जानना चाहती थी कि क्या कोको भी 'बोलना' सीख सकती है। पैनी कोको से मिलने हर दिन जाती, ताकि उस नन्ही गोरिल्ला को उस पर भरोसा हो जाए। पैनी ने कोको को तीन शब्द सिखाने शुरु किए - "पीना", "खाना" व "और" चाहिए। जब भी कोको कुछ खाती पैनी इशारा कर कहती "खाना" और कोको के हाथों से ठीक वही इशारा करवाती। एक सुबह कोको ने खुद अपनी उंगलियाँ मुँह में डालीं। वह "खाना" का इशारा कर रही थी। यह दिन जश्न मनाने का था।

जब कोको तीन साल की हुई, वह सीधे कॉलेज ही पहुँच गई। दरअसल पैनी को उसे चिड़ियाघर से स्टैनफर्ड विश्वविद्यालय परिसर में लाने की अनुमति मिल गई थी। यहाँ वे अपने भाषा सीखने-सिखाने पर पूरा ध्यान दे सकते थे। शुरुआत में कोको इशारे से "घर जाना" कहती रही, पर जल्द ही कोको को अपने फिरोज़ी रंग के ट्रेलर में रहने और पैनी के साथ हर दिन काम करने में मज़ा आने लगा। उसने "कैंडी" और "गुदगुदी" की मांग करना सीखा। और सीखा "झप्पी" की मांग करना और दूसरों को झप्पी देना।

कोको तेज़ी से शब्द सीख रही थी। पाँच वर्ष की होने तक वह दो सौ से अधिक शब्द जान चुकी थी। ढ़ाई साल का मानव शिशु भी तकरीबन इतने ही शब्द जानते हैं। पर जल्द ही पैनी की जिज्ञासा एक नए प्रयोग में जगी। कोको अब तक अपनी "मॉम" के साथ खुशी से इशारों का आदान-प्रदान करती थी, और वह रॉन से भी, जो उसके फोटो और विडियो खींचता था, बात करती थी। वह शोध सहायकों के साथ भी बात करती थी। पर क्या वह दूसरे गोरिल्लाओं से भी बात करेगी?

सितम्बर 1976 में साढ़े तीन साल का, माइकल नाम का गोरिल्ला भी कोको के साथ रहने आया। कुछ आदत होने के बाद कोको ने अपने नए भाई का अपने घर में स्वागत किया। वे खेल-डेट के दौरान धींगामस्ती करते। जल्द ही माइकल ने कुछ शब्दों के इशारे सीख लिए, और वे आपस में बात करने लगे, जैसी पैनी को उम्मीद थी।

कोको को जन्म देने वाली माँ जैकलीन

चन्द महीने की कोको अपनी गंभीर बीमारी के समय

चलने को तैयार

हनाबी-को का जापानी में मतलब होता है फटाका बच्चा। कोको 4 जुलाई को पैदा हुई।

क्या तुम्हें अपना पहला शब्द याद है?

पैनी, कोको और माइकल स्टैनफर्ड विश्वविद्यालय परिसर में। कोको माइकल को "मुस्कुराओ" का इशारा करते हुए।

एक नर-वानर कितने इशारे कर सकता है?

एक चम्मच खाना पाने के लिए कोको "खाना" का इशारा करते हुए।

पैनी कोको की "सुनना" का इशारा करने में मदद करते हुए।

जब पैनी ने गोरिल्ला परियोजना शुरु की थी उसे यह पता नहीं था कि उसके गोद लिए गोरिल्ला बच्चे कितने संकेत-शब्द सीख सकेंगे। पैनी कोको को अंततः एक हज़ार से भी अधिक शब्द खुद इशारे कर सिखाए, और तब उन्हें बार-बार दोहराने में कोको की मदद की।

पैनी शब्दों का इशारा करते समय उन्हें बोलती, शब्द खेल खेलती, इनाम ईजाद करती और कोको की परीक्षा भी लेती। उसने शब्द सूचियाँ और फ्लैश कार्ड बनाए ताकि वह जाँच सके कि कोको पढ़ना सीख सकती है या नहीं।

शुरुआत में जो संकेत शब्द कोको को आसानी से याद हुए, वे चीज़ों के शब्द थे - जैसे "बेबी," "टोपी," "चाभी।" तब वह क्रिया शब्द, यानी कुछ करने के शब्द समझने लगी, जैसे "काटना," "सोना," "पीछा करना।" (छोटे मानव बच्चों को भी वस्तुओं व क्रियाओं के शब्द आसान लगते हैं)।

कोको कुछ ऐसे शब्दों का भी इस्तेमाल कर पाती है जो किसी घटना के समय से जुड़ें हों, जैसे "अभी," या "खत्म"। वह ऐसे कई सवालों के जवाब भी दे सकती थी जो "किसने" या "क्यों" से शुरु होते थे। सच तो यह था कि वह कई बार जवाब देते समय सच नहीं बोलती थी! एक बार वह रसोई के सिंक पर बैठी और वह गिर गया।

कोको "फूल" का संकेत करते हुए।

कोको छपे संकेतों और कुछ शब्दों को भी पहचानती है।

जब पैनी ने पूछा, "क्या यह तुमने किया?" कोको ने भोला मुँह बना एक सहायिका की ओर इशारा कर संकेत किया, 'केट वहाँ खराब।"

कभी-कभार कोको छकाती भी है। एक रात सोने से पहले पैनी ने पूछा कि कोको का कम्बल किस रंग का है। "लाल," कोको ने कहा। पर कम्बल सफ़ेद था। पैनी ने सिर हिलाया, "कोको, तुम बेहतर जानती हो।" पर कोको ने दोहराया "लाल, लाल, लाल।" आख़िरकार कोको ने पैनी को अपने मज़ाक में शामिल किया। वह हंसी और सफ़ेद कम्बल पर लगे एक छोटे से लाल धागे की ओर इशारा किया।

कोको ने सवाल पूछना भी सीखा। पंद्रहवें महीने में उसने पैनी से कहा कि वह खिड़की के ठंडे कांच पर फूंक मारे ताकि वह जमने वाली धुंध पर चित्र बना सके।

क्योंकि गोरिल्लाओं का अंगूठा इन्सान के अंगूठे से छोटा होता है, कोको कई बार एएसएल इशारों को बदल देती है ताकि उन्हें आसानी से बना सके। कई बार वह संक्षेप भी करती और दो शब्दों का एक साथ इशारा करती है।

माइकल 450 पाउंड का है। उसे अपनी नाभि पर गुदगुदी करवाना पसन्द है।

माइकल एक दोस्त के साथ सवारी करते हुए।
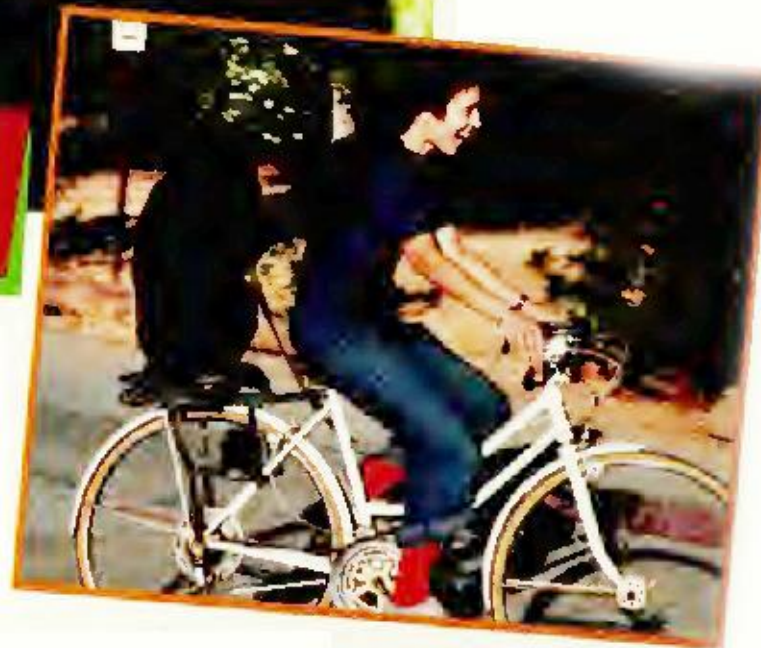
आलीशान माइकल

कोको इसलिए मशहूर हुई क्योंकि वह पहली "बोलने" वाली गोरिल्ला थी। वह माइकल से ज़्यादा शब्द जानती है। पर माइकल ने कोको अधिक बड़ी उम्र में एएसएल सीखना शुरु किया था।

देर से शुरु करने के बावजूद माइकल अब पाँच सौ से ज़्यादा जीएसएल शब्द इशारे धड़ल्ले से कर सकता है। यानी वह आसानी और कुशलता से उनका उपयोग करता है। वह कोको से कम बातून है, उसके शब्द सावधानी से चुने और सफ़ाई से गढ़े होते हैं।

माइकल को संगीत पसंद है। उसका प्रिय गायक है ल्यूसिआनो पावरोती।

उसका पसन्दीदा खाना "पीनट सैंडविच" है। अगली बार जब तुम पीनट बटर और जैम का सैंडविच खाओ तो माइकल के मज़बूत गोरिल्ला दाँतों के बारे में सोचना।

माइकल भी कभी-कभार कोको की तरह झूठ बोलता है। "मेरी जैकेट किसने फाड़ी?" एक स्वयंसेवक ने पूछा।

माइकल "मूंगफली" का इशारा करते हुए। गोरिल्लाओं के भी इन्सानों की ही तरह बतीस दाँत होते हैं।

माइकल एक "सिल्वर बैक" गोरिल्ला है। वयस्क नर गोरिल्ला के पीठ के रोंए रुपहले-सलेटी हो जाते हैं।

पैनी कहती है कि माइकल संवेदनशील है।

"कोको," उस बलवान युवा गोरिल्ला ने जवाब दिया। जब स्वयंसेवक ने दूसरी बार पूछा, उसने कहा "पैनी।" तीसरी बार पूछे जाने पर सच सामने आया: "माइक!"

माइकल बेहद सुन्दर गोरिल्ला है। पर कोको लिए वह सिर्फ उसका छोटा भाई है।

"बू" इशारे के कई मतलब हो सकते हैं - इसका मतलब "गंध," "फूल," या "बदमाश" भी हो सकता है। माइकल कई बार कोको को "बदमाश" कहता है।

कोको-प्यार

कोको पैनी को प्यार करती है - कभी-कभार

जब फ्रैड रॉजर्स ने, जो एक टीवी कार्यक्रम के मेज़बान हैं, कोको से अपना मशहूर दोस्ताना सवाल पूछाः "क्या तुम मेरी पड़ौसन बनोगी?" कोको ने जवाब दिया,
'तुम प्यार (करती हूँ) मेहमान, कोको-प्यार!"

इस क़िताब के कवर पेज पर तुम कोको को अपनी बाज़ुएं मोड़े देख सकते हो। उसका दाहिना हाथ बायें कंधे पर है और बायाँ दाहिनी ओर। यह कोको का संक्षिप्त इशारा है और इसका मतलब है "कोको-प्यार!"

गोरिल्ला की पसन्दीदा चीज़ें क्या हैं? तुम्हें अंदाज़ लगाने की ज़रूरत नहीं होगी वह हमें खुद ही बता सकती है। कोको को गुड़ियाएं, पीछा करो खेलना, कहानियाँ सुनना, और अपना परिवार अच्छा लगता है। उसे चित्र बनाना और फोटो खींचना भी पसन्द है। उसकी खींची एक तस्वीर, जो सैल्फ-पोर्टेट थी, नैशनल ज्योग्रैफिक के कवर पर छप चुकी है। उसे धूप के चश्मे पहनना, टोपियाँ और खाना पसन्द है।

कोको को रॉन से भी प्यार है, जिसके धूप के चश्मे वह पहनती है।

जब कोको छोटी थी उसे अपने घड़ियाल वाले खिलौनों से डर लगता था। अब वह उनसे अपनी गुड़ियाओं पर हमला करवाती है।

कोको को कैंडी पसन्द है - जो उसके लिए चबाने वाले विटामिन की गोलियाँ हैं। वह "एन्डीके" शब्द भी समझती है, जो पिग-लैटिन शब्द है, यानी खेल में शब्द के अक्षरों का बदला रूप।
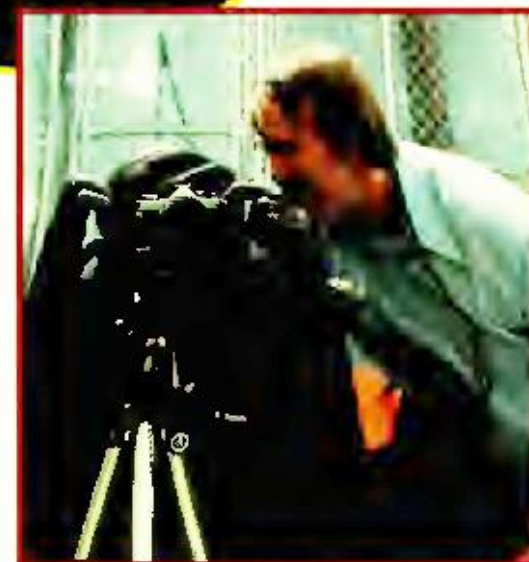
रॉन ने कोको को कैमरा से तस्वीर खींचना सिखाया।

पैनीः गोरिल्लाओं को सबसे ज़्यादा क्या पसन्द है?

कोकोः गोरिल्ला प्यार खाना अच्छा।

कोको अपनी गुड़िया के साथ खेलते हुए।

मुलायम अच्छी बिल्ली बिल्ली

कोको और स्मोकी।

कोको को अपनी पालतू बिल्ले ऑल-बॉल से बहुत प्यार था। वह एक खूबसूरत धारीदार बिलौटा था जिसकी पूंछ नहीं थी। इसलिए ही कोको ने उसका यह नाम रखा था। जब ऑल-बॉल की अचानक मौत हो गई कोको को बहुत दुख हुआ। वह अपने कमरे में बैठ उसके लिए रोई - "व्हू-व्हू, व्हू-व्हू," (गोरिल्ला रोते समय सिर्फ आवाज़ करते हैं, आँसू नहीं बहाते)। सालों बाद भी जब पैनी कोको से ऑल-बॉलकी मृत्यु के बारे में पूछती कोको की प्रतिक्रिया भावनात्मक होती।

"याद है जब बॉल की मौत हुई थी। तुम्हें कैसा लगा था?"

"रोना, उदास, भौं सिकोड़ना।"

ऑल-बॉल के बाद कोको की एक लाल बिलौटी थी, जिसका नाम लिप्स था, और अब उसकी स्मोकी नाम की एक सलेटी बिल्ली है। स्मोकी दिन के वक़्त गोरिल्ला परिसर में घूमती है, या सोफे पर सोती है। जब कोको के साथ पैनी होती है वह कोको से मिलने आ सकती है। कोको स्मोकी की ऐसे देखभाल करती है जैसे वह अपने गोरिल्ला शिशु की करती। वह उसे बड़ी एहतियात से बाँहों में उठाती है, या फिर अपनी पीठ पर। उसके नोचने या काटने पर भी वह नाराज़गी नहीं जताती।

कोको की बिल्ली-टोकरी।

कोको और ऑल-बॉल।

ऑल-बॉल को पकड़े हुए कोको की विलक्षण तस्वीर ने दुनिया भर के लोगों को चेताया कि गोरिल्ला अनोखे और सौम्य जीव होते हैं, जिन्हें संरक्षण की ज़रूरत है।

माइकल को बिल्लियों के बदले कुते पसन्द हैं। इसलिए क्योंकि वे पीछा करने का खेल बेहतर तरीके से खेल सकते हैं। उसका एक काला स्टैफर्डशायर टेरियर है जिसका नाम मैक्स है। उसने रॉन की जर्मन शैपर्ड कुतिया का नाम "फ्लावर" रखा है! हर सुबह मैक्स और फ्लावर माइकल को दोस्ताना अन्दाज़ में भौक कर और खेल कर जगाते हैं।

ऊपर फ्लावर और बांई ओर मैक्स

पीछा करने का खेल शुरु।

गोरिल्ला होता कितना बड़ा है?

कभी अपने पुराने खिलौना को छोड़ना मुश्किल होता है, फिर चाहे हम उसके लिए कितने ही बड़े क्यों न हो गए हों।

अपना हाथ कोको के हाथ पर रखो ओर देखो कि वह कितना बड़ा है। हमारी ही तरह गोरिल्ला की भी चार उंगलियाँ और एक अंगूठा होता है। पर उनका अंगूठा हमारे से छोटा होता है।

कोको के हाथ का वास्तविक आकार।

अच्छे दोस्त

पैनी और कोको के पैरों की तुलना करो।

गोरिल्ला के पैर के अंगूठे का आकार भी हाथ के अंगूठे जैसा ही होता है।

गोरिल्ला नर-वानरों में सबसे बड़े होते हैं। वे स्तनपायी परिवार के हैं जिसमे बन्दर, वानर और मानव शामिल हैं। एक परिपक्व नर गोरिल्ला छह फीट से भी ज़्यादा लम्बा हो सकता है और उसका वज़न पाँच सौ पाउंड तक हो सकता है। उनके बाज़ुओं का फैलाव आठ फीट तक का हो सकता है, और वह आठ पुरुषों जितने ताकतवर होता है।

मादा गोरिल्ला की लम्बाई इससे क़रीब आधी होती है (कोको कुछ बड़ी है)। उसका वज़न क़रीब तीन सौ पाउंड है। पर जब गोरिल्ला पैदा होते हैं, वे अधिकतर मानव शिशु से भी छोटे होते हैं। उनके नवजात शिशु का वज़न क़रीब साढ़े चार पाउंड ही होता है।

स्तनपायी जाँच सूची

लोमदार शरीर

माताएं अपने बच्चों को पिलाने के लिए अपना दूध बनातीं हैं।

उनकी रीढ़ की हड्डी लचीली होती है।

काको की बिल्लियों की एक टोकरी थी।

यह कोको की टोकरी है।

तुम्हारे जैसा, मेरे जैसा, एक गोरिल्ला जैसा

कोको अपनी टूटी गुड़िया के बारे में बात करते हुए "ख़राब" का इशारा करती है।

कोको बिलौटियों के दस्ताने खो जाने पर "रोना" का इशारा करते हुए।

साथ हंसना

नर-वानर (प्राइमेटस) परिवार के सदस्यों के नाते मनुष्य और गोरिल्लाओं के बीच करीबी रिश्ता है। कोको से बात कर हम उस जीव के मस्तिष्क में झाँक सकते हैं, जो कुछ मायनों में हमसे बहुत अलग हैं और कुछ में उतने फ़र्क भी नहीं। कोको जब रात को सोने जाती है वह अपने दाँत मांजती है, अपने खिलौने लेती है, एक कहानी सुनती है ओर पैनी को गुड नाइट कहती है।

पर कोको दो ऐसी चीज़ें भी करती, जो शायद तुम न करो। गोरिल्ला हर रात सोने के लिए एक मुलायम बिस्तर बनाते हैं। कोको अपना बिछौना कम्बलों और खिलौनों से बनाती है। पर अगर वह जंगल में होती तो वह पत्तेदार टहनियों को मोड़ अपने लिए एक मंच-सा बनाती। इसके अलावा कोको रात को बारह से चौदह घंटे सोती है, और दोपहर में भी झपकी लेती है। तुम दिन में कितने घंटे सोते हो? शायद इतना लम्बा नहीं।

गोरिल्ला अपने चारों हाथ-पैरों पर चलते हैं। वे अपने पैरों के तलवे और हाथों की मुट्ठियों को धरती पर रख कर चलते हैं। अगर कोको माँ होती तो वह अपने बच्चे को पीठ पर उठाती। इसलिए वह अपनी बिल्ली को भी इसी तरह उठाती है। जब कोको छोटी थी पैनी भी उसे इसी तरह उठाती थी।

जब कोको की देखभाल करने वाली बीमार थी तो कोको ने उससे संतरे का रस पीने को कहा। तुम्हारी मां भी वही कहतीं।

छोटे गोरिल्ला अपने प्राकृतिक रहवास में मानव बच्चों के समान खेल खेलते हैं। पहाड़ का राजा, नेता का अनुसरण करो, से लेकर किसी गोल फल से पकड़ो के खेल तक। कोको और माइकल रस्साकशी और छिपम-छिपाई खेलते हैं। पर वे किसी फल से पकड़ो का खेल नहीं खेलते, वे फल को खा जाते हैं!

गोरिल्ला अभिवादन, खेल, विदा

जब कोका किसी को हलो कहती है, वह अक्सर उनकी "फूंक जाँच" करना पसन्द करती है, जो गोरिल्ला अभिवादन होता है। जब कोको ने 'मिस्टर रॉजर्स नेबरहुड' कार्यक्रम में हिस्सा लिया उसने मिस्टर रॉजर्स पर फूंक मारी। जब उन्हें पता चला कि यह गोरिल्लओं को सामान्य अभिवादन है, उन्होंने भी पलट कर फूंक मारी। जल्द ही दोनों पक्के दोस्त बन गए। तब कोको ने कार्यक्रम के दौरान कई बार उनका स्वेटर उतारने में उनकी मदद की।

कोको अभिवादन करने के लिए फूंक मारते हुए।

मिस्टर रॉजर्स पलट कर 'हलो' कहते हुए।

जब गोरिल्ला किसीको पसन्द करते हैं, वे चुप बैठ सकते हैं और स्नेह जता सकते हैं। पर उनमें खेलने और दूसरों का सामना करने की बहुत ऊर्जा होती है। वे वास्तव में हमला करने के बदले हमला करने का ढोंग ज़्यादा करते हैं। वे छाती ठोकना जानते हैं, जिसमें हथेली पोली होती है ताकि ज़ोरदार आवाज़ हो। पर अमूमन वे लड़ना नहीं चाहते।

जब कोको पहली बार माइकल से मिली, वह नाराज़ हुई। (कोको कभी नाराज़ होने पर "लाल" का इशारा करती है, अंग्रज़ी की एक कहावत है ना, जिसमें कहते है कि किसीने "लाल देखा।") कोको ने माइकल को अपने घर में आने पर चुनौती दी।

कोको ने कहा अलविदा।

छोटी कोको पीठ पर खुजलाने की मांग करते हुए।

वह माइकल के पीछे दौड़ी। पर कुछ ही समय में उसे अहसास हो गया कि वह ख़तरा नहीं था। वह कोको से दो साल छोटा था, सो कोई गंभीर समस्या खड़ी नहीं कर सकता था, बल्की एक दोस्त बन सकता था। पर जैसे ही कोको ने उसका पीछा करना बन्द किया, माइकल उसके पीठ पर चढ़ने और उसे झप्पियाँ देने की कोशिश करने लगा। यह नई समस्या थी - ज़रूरत से ज़्यादा प्यार की। सो कोको टब के नीचे छिप गई।

गोरिल्ला शिष्टाचार के तीन नियमः

पहला नियमः चुपचाप बैठो।

दूसरा नियमः जो बच्चे अपने न हों, उनसे छेड़छाड़ मत करो।

तीसरा नियमः पत्ते चबाओ।

हो सकता है कि कोको सोच रही हो कि अगर मैं माइकल को नहीं देख सकती तो वह भी मुझे देख नहीं सकता...।

कोको जहां भी हो तुरंत बाहर आओ!

चित्र का मूल्य

स्टिंक गोरिल्ला मोरः
माइकल का एक चित्र

कोको और माइकल दोनों ही प्रतिभाशाली चित्रकार हैं। ख़ासकर माइकल में खिले रंगों और आकारों द्वारा छवियों को आँकने की अद्भुत क्षमता है। कोको की चिड़िया की और माइकल की उसके कुत्ते की बनाई छवियों को देखा। क्या तुम्हें भी वह दिखता है, जो इन्हें बनाते समय उनको दिख रहा होगा। क्या तुम गोरिल्ला की आँखों से देख सकते हो?

कई बार बिना एक भी शब्द बोले भी बातचीत की जा सकती है।

अपने पिछले कुत्ते एपल का माइकल द्वारा बनाया चित्र।

एक बार माइकल ने अपने अपने भूरे खिलौना डायनासोर का चित्र बनाया जिसके शरीर पर हरे नोक उभरे थे। उसने पहले शरीर के हिस्से को एक्रैलिक रंगों से रंगा। तब कागज़ को उलटा कर दिया और रंग फैलने दिए। जब उसने कागज़ सीधा किया उसके डायनासोर के चित्र में नुकीले उभार दिखने लगे।

कोको का बनाया एक चिड़िया का चित्र।

कोको को अपनी ब्लू जे दोस्त से प्यार है।

कोको अपने ईज़ल पर।

फिर से बताना ज़रा वह शब्द क्या था?

कोको को कहानियाँ बनाना पसन्द है। यह कहानी कोको ने अपनी इन्सानी दोस्त मित्ज़ी फिलिप्स के साथ गढ़ीः

मित्ज़ीः क्या तुम एक कहानी सुनना चाहती हो?

कोकोः बढ़िया।

मित्ज़ीः कहानी किसे बारे में हो?

कोकोः घड़ियाल।

मित्ज़ीः ठीक है। तुम मेरी मदद करना। एक बार एक घड़ियाल बहुत भूखा था। "मुझे आइसक्रीम चाहिए," उसने कहा। "मैं जाकर लाता हूँ।" रास्ते में उसे - क्या मिला कोको?

कोकोः एक चिड़िया।

मित्ज़ीः "क्या तुम मेरे साथ चल कर खाने के लिए कुछ लाना चाहती हो?" "हाँ," चिड़िया ने कहा और चिड़िया घड़ियाल पर बैठ गई। वह कहाँ बैठी कोका?

कोकोः नाक।

मित्ज़ीः सो दोनों आगे बढ़े। जल्द ही उन्हें मिला - क्या मिला कोको?

कोकोः बिल्ली।

मित्ज़ीः बिल्ली ने कहा, "मैं -" बिल्ली क्या थी कोको? उसे क्या लग रहा था।

कोकोः भूखी।

मित्ज़ीः जब वे दुकान पर पहुँचे, दुकानदार ने चिड़िया को खाना दिया और बिल्ली को दूध।

कोकोः दूध कोको-प्यार।

क्या तुमने भी कभी एकदम सही शब्द सोचने की कोशिश की है पर सोच नहीं पाए हो? जब कोको को एकदम सटीक शब्द नहीं मिलता, वह एक शब्द गढ़ लेती है। यह गोरिल्ला कविता ही है!
कोको के गढ़े शब्दों और असली वस्तुओं को मिलान करो।

अंगूठी	सफ़ेद बाघ
पिनोकियो गुड़िया	लाल मक्की का रस
मुखौटा	हाथी का बच्चा
आइसक्रीम कोन	उंगली की माला
ज़ीब्रा	आँख की टोपी
अनार	मेरा ठंडा कप

कभी-कभार कोको उन चीज़ों के लिए भी शब्द बना लेती है जिनके हमारे पास शब्द नहीं हैं। जैसे सोड़ा की छह बोतलों को साथ बांधने के लिए जो प्लास्टिक की चीज़ होती है, वह क्या है? बोतलों की माला!

कोको बाएं हाथ से लिखती है।

कई बार माइकल अपने हिज्जे करते वक़्त रचनात्मकता दिखाता है। इस चित्र में वह नो (नहीं) की जगह नो (जानना) का इशारा कर रहा है।

मित्ज़ीः बिल्ली को भी दूध पसन्द है! घड़ियाल को भी उतनी आइसक्रीम मिली जितनी वह खा सकता था।

कोकोः नहीं।

मित्ज़ीः हाँ! घड़ियाल खुश था।

कोकोः नहीं। उदास।

मित्ज़ी तुम चाहती हो कि घड़ियाल उदास हो?

कोकोः अच्छा, उदास।

मित्ज़ीः ठीक है, कहानी तो तुम्हारी है। तो आइसक्रीम वाले ने कहा, "मैं घड़ियालों को खाना नहीं देता, भागो!" अब घड़ियाल भूखा और उदास था।

कोकोः उदास, भौं चढ़ना, रोना, खराब घड़ियाल।

मित्ज़ीः पर घड़ियाल ने तो अच्छा बरताव किया था। अपने दोस्त को शहर तक सवारी करवाई थी। सो बिल्ली ने उसे अपना दूध दिया और चिड़िया ने अपना चुग्गा। अब घड़ियाल को कैसा लगा?

कोकोः खुश।

मित्ज़ीः हाँ।

कोकोः लाल, खाना बुरा।

मित्ज़ीः ठीक है, तुम्हें और नाटक चाहिए! तो घड़ियाल दुकान में वापस गया और बोला मैं मीठा खाऊंगा।" और वह आइसक्रीम वाले को खा गया।

कोकोः अच्छा, मेहमान खराब।

मित्ज़ीः तुम्हें कहानी कैसी लगी?

कोकोः कोको-प्यार, अच्छी क़िताब।

समाप्त

कोको और न्दूमे हमेशा के लिए साथ

न्दूमे

मादा गोरिल्ला आठ या दस साल ही होने पर परिपक्व हो जाती है। कोको ने कई साल पहले पैनी से कहा था कि वह एक बच्चा चाहती है। वह टेलिविज़न में शिशु गोरिल्ला को देख इशारा करती "वह चाहिए"। पैनी भी उम्मीद करती रही है कि कोको का बच्चा हो, क्योंकि अव्वल तो वह कोको को खुश देखना चाहती है। पर वह यह भी देखना चाहती है कि कोको अपने बच्चों को जीएसएल, सिखा एक बार फिर से इतिहास बनाए। शायद वह ऐसा सचमें करे, क्योंकि वह अपने शिशु गोरिल्ला खिलौनों की मदद कर उनके हाथों से इशारे बनवाती है।

कोको को कौन पसन्द है, कौन नहीं यह जानना आसान है।

यह तय हुआ कि कोको के लिए एक साथी लाया जाए। मुश्किल यह थी कि योग्य कुंवारे गोरिल्ला मिल पाने के लिए बहुत जगहें थी ही नहीं। सो कोको ने 'विडियो डेटिंग' की। अगर उसे कोई गोरिल्ला अच्छा लगता तो वह टेलिविज़न के पर्दे को चूमती। अगर पसन्द नहीं आता, तो वह रिमोट से टेलिविज़न बन्द कर देती।

एक गोरिल्ला जो कोको को ठीक लगा, वह प्यारा, बड़ी आँखों व काली पीठ वाला गोरिल्ला न्दूमे था। कुछ योजना के बाद न्दूमे को गोरिल्ला फाउन्डेशन में कोको के अहाते में लाया गया। वे दोनों पिछले कई सालों से एक-दूसरे के साथ समय बिताने का आनन्द ले रहे हैं।

कोको ने न्दूमे के लिए एक इशारा बना लिया।

कोको और माइकल ने इन्सानों से उनके तरीके से बातचीत करना सीख लिया है। न्दूमे केवल कुछ ही संकेत जानता है, पर वह भी अपनी बात इन्सानों और अपने गोरिल्ला साथियों से कह देता है। जब उसे खाना चाहिए होता है वह ताली बजाता है। जब उसे पता चल जाता है कि उसे वह मिलने वाला है, जो उसे चाहिए, वह अपने एक पैर पर ताली ठोकता है। जब उसे वह मिल जाता है, वह घुरघुराता है।

काको और न्दूमे एक दूसरे को "मुझे पाना मुश्किल है" जताते हुए।

शोधकर्ताओं ने साठ से अधिक ऐसे संकेत पहचाने हैं जो गोरिल्लाओं की स्वाभाविक शब्दावली का हिस्सा हैं। गोरिल्ला अपने शरीर की मुद्राओं, चेहरे के हाव-भावों, ध्वनियाँ निकाल, ठोक-थपथपा कर और गंधों से संप्रेषण करते हैं। पैनी का मानना है कि कोको और माइकल संकेतों की भाषा को इतनी आसानी से इसलिए सीख पाए क्योंकि गोरिल्ला स्वाभाविक रूप से ही इशारों की एक जटिल भाषा का उपयोग कर सकते हैं, ठीक अपने जंगलों में आज़ाद घूमने वाले रिश्तेदारों की तरह।

चिन्तक

शानदार पशु गोरिल्ला

कोको एक मानव शिशु को गले लगाते हुए।

डाएन फॉसी, जो अफ़्रीका में गोरिल्लाओं के साथ अपने काम के लिए मशहूर हैं, कोको को झप्पी देते हुए।

कोको कौन है? वह अपनी प्रजाति में अनूठी है और गोरिल्लाओं व मनुष्यों के बीच आपसी समझ बढ़ाने वाली राजदूत रही है। पर यह काम उसने अपने आप चुना नहीं था। यह तो उस पर लाद दिया गया। हम बेहद किस्मत वाले हैं कि इस काम के लिए हमें इतनी ख़ास गोरिल्ला मिली। कोको के बिना लाखों लोग अब भी गोरिल्ला को देख डरावने "किंगकांग" की ही कल्पना करते। पर अब वे सोचते हैं, "कोको" और एक ऐसे काले बालों वाले प्राणी को देखते हैं, जो बड़े प्यार से अपनी सलेटी बिलौटी को उठाए है।

कोको जानती है कि वह गोरिल्ला है। वह खुद को "शानदार पशु गोरिल्ला कहती है।

और कोको, वह खुद के बारे में क्या सोचती है?

वह जानती है कि वह एक गोरिल्ला है, और खुद को एक "शानदार पशु गोरिल्ला" कहती है। उसे टेलिविज़न और क़िताबों में दूसरे गोरिल्लाओं को देखने में मज़ा आता है। वह अपने शिशु गोरिल्ला गुड़ियाओं से खेलती है। शायद वह यह भी नहीं सोचती कि गोरिल्ला होना इन्सान होने से इतना फ़र्क है। एक बार उसे कुछ चित्र दिए गए जिन्हें उसे दो ढेरियों में बाँटना था - पशुओं और इन्सानों में। उसने बेहिचक अपनी तस्वीर अमरीका की भूतपूर्व प्रथम महिला, एलिनोर रूज़वैल्ट की तस्वीर के ऊपर रखी।

कोको और स्मोकी सुस्ताते हुए।

कोको को इशारे करना, खेल खेलना, और आईने में खुद को देख मुँह बनाना अच्छा लगता है। एक समय था जब वैज्ञानिक मानते थे कि सिर्फ़ इन्सान ही आईने में देख खुद को पहचान सकते हैं। वैज्ञानिक अब यह सोचते हैं कि कोको की खुद को आईने में देख पहचानने की काबलियत उसकी कुशाग्र बुद्धि का सबूत है। पर जब कोको खुद का प्रतिबिम्ब आईने में देखती है ऐसा नहीं सोचती। शायद वह "शानदार पशु गोरिल्ला को देख खुश होती है।

कोको आईने में देख मुँह बनाते हुए।

गोरिल्ला फाउन्डेशन के लिए अलोहा!

डॉ. पैटरसन की परियोजना - कोको, का घर और उसके परिवार का आधिकारिक नाम गोरिल्ला फाउन्डेशन है (इसकी वेबसाइट - कोकोडॉट ऑर्ग के रूप में जानी जाती है)। सैन फ्रांसिस्को से तक़रीबन पैंतीस मील की दूरी पर स्थित गोरिल्ला फाउन्डेशन, एक ग़ैर-लाभ संस्था है, जिसे पैनी और रॉन ने गोरिल्लाओं व अन्य लुप्त हो रही प्रजातियों के संरक्षण के लिए बनाया था।

अफ्रीका में तीन तरह के गोरिल्ला रहते हैं: पश्चिमी समतल क्षेत्र के गोरिल्ला, पूर्वी समतल क्षेत्र के गोरिल्ला और पहाड़ी गोरिल्ला। पहाड़ी गोरिल्ला इतने संकट में हैं कि उनकी संख्या आज महज चार या छह सौ है। कोको और माइकल तथा चिड़ियाघरों में दिखने वाले अधिकतर गोरिल्ला जैसे पश्चिमी समतल क्षेत्र के गोरिल्लाओं को भी मदद चाहिए।

किस्मत से मेरी कॅमरॉन सैनफर्ड नामक एक महिला को भी गोरिल्लाओं की फ़िक्र थी। सो उन्होंने अपनी कम्पनी माओई लैण्ड एण्ड पाइनएपल के माध्यम से माओई, हवाई में एक नया गोरिल्ला अभयारण्य बनाने के लिए गोरिल्ला फाउन्डेशन को सत्तर एकड़ ज़मीन दान में दी। एलन जी. सैनफर्ड गोरिल्ला अभयारण्य, अफ्रीका के बाहर गोरिल्लाओं का एकमात्र आश्रयस्थल है। अगर वहाँ निर्माण के लिए आवश्यक धन जुटाया जा सके तो कोको, माइकल, न्दूमे व तमाम दूसरे गोरिल्ला जिन्हें घरों की ज़रूरत है, वे सब हवाई जा सकेंगे।

माओई मे कोको "लेई" फूलमाला) का मज़ा लेते हुए।

जहाँ कोको फिलहाल रहती है, सांता क्रूज़ पहाड़ों में, वहाँ कभी इतनी ठंड पड़ती है कि गोरिल्ला बाहर खेलने जाना ही नहीं चाहते। दरअसल उनके शरीर उष्णकंटिबंध की गर्मियों के लिए बने हैं। गोरिल्ला एक बड़ी और खुली जगह का मज़ा ले सकेंगे। वहाँ वे सही जलवायु में आज़ादी से घूम-फिर सकेंगे।

हवाई में बड़ी कोको के लिए अपने परिवार को पालने के लिए भी एक अधिक स्वाभाविक जगह होगी। कैलिफोर्निया में अब तक वे जोड़े की तरह नहीं रह पाए हैं। दरअसल बच्चा पैदा कर पाने के लिए मादा गोरिल्ला को अमूमन अपने पारिवारिक समूह में सहज होना पड़ता है। अधिकांश परिवार समूहों में एक नर सिल्वरबैक होता है, एक युवा नर, तीन या चार मादाएं और बच्चे होते हैं। पर कोको को मादा गोरिल्लाओं का साथ मिला ही नहीं है। शायद इसलिए उसमें अपना परिवार शुरू करने का आत्मविश्वास भी नहीं है।

चौबीसों घंटे चलने वाला शोध स्टेशन बनाने के अलावा गोरिल्ला फाउन्डेशन वहाँ कुछ मीलों की दूरी पर एक आगंतुकों के लिए एक केन्द्र भी बनाएगा। आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर बच्चे अपने गोरिल्ला दोस्तों की प्रगति के बारे में जान सकेंगे। यह भी कि वे दुनिया भर में गोरिल्ला संरक्षण के लिए कैसे मदद कर सकते हैं।

चलो एक इशारा करो!

कोको, माइकल की कुछ मदद से तुम्हें अपने पसन्दीदा शब्दों का इशारा करना सिखाएगी:

खाना

अपनी उंगलियों के पोरों से मुँह को छुओ।

सेब

अपनी मुट्ठी से अपने गाल को छुओ।

भूख

हाथ से अंग्रज़ी के सी अक्षर का आकार बनाओ और उसे अपनी छाती के पास लाओ।

कैंडी

अपनी तर्जनी को गाल के पास लगा कर उसे घुमाओ।

उदास

अपने खुले हाथ चेहरे से लगा दुखी मुँह बनाओ।

पीना

उंगलियाँ बांध कर अपने अंगूठे को मुँह से लगाओ।

दाँत

अपनी तर्जनी से अपने सामने वाले दाँत छुओ।

कोको

अपना दाहिना हाथ खुला रख अपने बाँए कंधे को छुओ।

सैंडविच

अपने हाथ क्रास कर मुँह के सामने लाओ।

समय

अपनी कलाई के पिछले हिस्से को अपनी तर्जनी से छुओ।

ब्राउज़

कोको अल्पाहार (स्नैक) को ब्राउज़ कहती है। मुट्ठी बांध अपनी उंगलियों के जोड़ों को अपनी भौं से छुआओ।

होंठ

यह इशारा औरत का भी होता है। कोको इसका इस्तेमाल कभी पैनी के लिए भी करती है। अपनी तर्जनी से अपने निचले होंठ को छूते हुए, आगे-पीछे ले जाओ।

बेध्यानी

अपने चेहरे को हाथों से ढ़क लो। कोको इस इशारे का तब उपयोग करती है, जब वह ध्यान नहीं देना चाहती या उसे वह ध्यान नहीं मिल रहा होता जो वह चाहती है।

लाल

अपनी तर्जनी को अपने बन्द होठों पर रखो।

मुलाक़ात/विज़िट

अपने कंधों को खुले हाथों से छुओ।

कोको के हाथ

हम इन्सान या गोरिल्ला, एक-दूसरे से बात क्यों करते हैं? हम इसलिए बात करते हैं ताकि हम सीखें, साझा करें, समझें। हम मज़ाक करते हैं, हंसते हैं, तसल्ली देते हैं। कोको हमसे अपनी आँखों से और बेहतरीन गोरिल्ला विनोद के साथ बात करती है। वह जिस गर्मजोशी से, और सुन्दर हाथों से इशारा कर संप्रेषण करती है, वह हमारे दिल को छू जाता है। पर उसका और अन्य गोरिल्लाओं का भविष्य इस बात पर निर्भर है कि हम मनुष्य उनकी बातें सुनते रहें, प्रतिक्रिया करें और धरती व प्रकृति के अद्भुत जीवों के विनाश के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाते रहें।

अब जब तुम पैनी और कोको की बातचीत को सुन-समझ चुके हो, उन्हें यह उम्मीद है कि तुम सब इस संदेश को आगे बढ़ाओगे। उनका भविष्य तुम्हारे हाथों में है। कोको-प्यार!

डॉ. फ्रैन्सीन पैटरसन ने 1972 में कोको परियोजना तब शुरू की थी, जब वे स्टैनफर्ड विश्वविद्यालय में स्नतक स्तर की छात्रा थीं। वे वुडसाइड कैलिफोर्निया में स्थित गोरिल्ला फाउन्डेशन की संस्थापिका व अध्यक्ष हैं। यहाँ भी कोको ने सीखना ज़ारी रखा है।

डॉ. रॉनल्ड कोहन गोरिल्ला फाउन्डेशन के उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष हैं। वे कोको परियोजना की शुरूआत से ही कोको की कहानी का छायाचित्रों व विडियो द्वारा दस्तावेजीकरण करते रहे हैं।

कोको

पूरा नामः हनाबी-को

अर्थः अतिशबाज़ी बच्चा (जापानी)

बालों को रंगः काले से गहरा भूरा

आँखों का रंगः गहरा भूरा

कदः 5 फीट 3/4 इंच

वज़नः 280 पाउंड

जन्मदिनः 4 जुलाई 1971

जन्म स्थानः सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया

शब्दावलीः 1000 से भी अधिक शब्द संकेतों का उपयोग करती है।

पसन्दीदा रंगः लाल

पसन्दीदा खानाः बादाम-मुंगफली, टोफू से बने पकवान, सेब, भुट्टा

पसन्दीदस शोः वाइल्ड किंगडम

पसन्दीदा फिल्मः फ्री विली

पसन्दीदा खिलौनाः रबर का घड़ियाल

पसन्दीदा क़िताबः थ्री लिटिल किटन्स्

पसन्दीदा गतिविधिः गुड़ियों से खेलना, पीछा करने का खेल, चित्र बनाना, लिखना

न्दूमे

पूरा नामः न्दूमे

अर्थः नर (स्वाहिली)

बालों को रंगः काला, और पीठ रुपहली

आँखों का रंगः नारंगीपन लिए भूरा

कदः लगभग 6 फीट

वज़नः 400 पाउंड

जन्मदिनः 10 अक्तूबर 1981

जन्म स्थानः सिनसिनाटी, ओहायो

शब्दावलीः स्वाभाविक गोरिल्ला संकेत व ध्वनियाँ

पसन्दीदा रंगः नीला

पसन्दीदा खानाः मूंगफली, गाजर, सेब, आलू, सैलरी

पसन्दीदा शोः वाइल्ड किंगडम

पसन्दीदा फिल्मः अलादीन

पसन्दीदा खिलौनाः नीले रंग का 500 गैलन का प्लास्टिक का पीपा, फोन की क़िताब, गत्ते के डब्बे

पसन्दीदा गतिविधियाँः खाना, धूप में सोना, पीछा करने का खेल खेलना

माइकल

बालों का रंगः सिर के ललाई लिए हुए काले, पीठ के रुपहले

आँखों का रंगः हल्का भूरा

कदः तक़रीबन 6 फीट

वज़नः 450 पाउन्ड

जन्मदिनः 17 मार्च 1973, (आधिकारिक नहीं)

जन्म स्थानः कैमरून अफ्रीका

शब्दावलीः 600 से भी ज़्यादा शब्द संकेतों का उपयोग करता है

पसन्दीदा रंगः पीला

पसन्दीदा खानाः मूंगफली-बादाम, सेब, पीनट बटर सैंडविच

पसन्दीदा शोः सेसमी स्ट्रीट और मिस्टर रॉजर्स नेबरहुड

पसन्दीदा संगीतः लूसियानो पावरोत्ती के गाए ओपरा

पसन्दीदा खिलौनाः निर्माण में काम आने वाला पाइप

पसन्दीदा गतिविधियाँः ध्वनियों और लयों के साथ खेलना, पीछा करना, चित्रों को देखना